गाओ-दोहराओ

मन की सारी बातें,
जिस माध्यम से बताते हैं।
हम अभिव्यक्ति के साधन को,
भाषा कहकर बुलाते हैं।
बोलकर बातें कहें, जो अपनी,
भाषा मौखिक बन जाती है।
लिखकर बातों को बताना,
लिखित भाषा कहलाती हैं
कभी-कभी संकेतों में,
कहते अपनी बात।
पर भाषा के रूप हैं दो,
मौखिक और लिखित सब रखना याद।

आओ, अभ्यास करें

याद करो बताओ

स्मरण (Recall)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) भाषा के कितने रूप हैं?

(ख) मौखिक भाषा किसे कहते हैं?

सोचो, समझो, लिखो

समझ और अनुप्रयोग (Understand & Apply)

1. सही विकल्प के आगे (✓) का चिह्न लगाइए– MCQs

(क) विचारों और भावों के आदान प्रदान को कहते हैं–

(i) बोली ☐ (ii) भाषा ☑ (iii) व्याकरण ☐ (iv) ये सभी ☐

(ख) भाषा के रूप हैं–

(i) एक ☐ (ii) दो ☑ (iii) तीन ☐ (iv) चार ☐

(ग) जब हम लिखकर अपने विचारों को व्यक्त करते हैं, तो उसे कहते हैं–

(i) मौखिक भाषा ☐ (ii) लिखित भाषा ☑

(iii) सांकेतिक भाषा ☐ (iv) ये सभी ☐

2. चित्र देखकर भाषा का रूप लिखिए–

लिखित

लिखित

मौखिक

मौखिक

3. मौखिक तथा लिखित भाषा के दो-दो उदाहरण दीजिए–

मौखिक भाषा – गाना, बोलना

लिखित भाषा – पत्र लिखना, अखबार पढ़ना।

4. इन संकेतों के अर्थ चुनकर लिखिए–

नो पार्किंग!
कृपया हार्न ना बजाएँ!
आगे विद्यालय है!

नो पार्किंग!

आगे विद्यालय है।

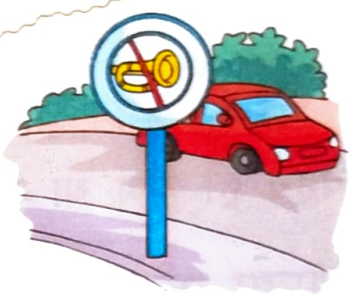

कृपया हार्न ना बजाएँ

करके दिखाओ

कला समेकन (Art Integration)

- आप अपना लंचबॉक्स घर पर भूल गए हैं और आपको बहुत तेज़ भूख लगी है। यह बात अपने मित्र को संकेतों के माध्यम से समझाइए।

वाचन-कौशल

गहन चिंतन (VBQs/HOTS)

- आप अपनी मातृभाषा में अपने मित्र से बात कीजिए और उसका मतलब हिंदी में समझाइए।